11 JUL 2017

प्रसंगवश : पौधरोपण महा-अभियान (2 जुलाई)

आओ हम सब हरियाली बढ़ाने का पुण्य कमाएं

शिवराज सिंह चौहान

जन-जन की सहभागिता से 'नर्मदा सेवा यात्रा' अभियान बहुत सफल रहा। इस अभियान में 148 दिनों में 3350 किमी की यात्रा तय की गई और 15 लाख से अधिक लोगों ने मां नर्मदा को स्वच्छ, निर्मल व पवित्र बनाए रखने का संकल्प लिया। प्रदेशवासियों ने जिस उत्साह, उमंग और आत्मीयता के साथ इस अभियान में हिस्सा लिया, उससे पता ही नहीं चला कि मप्र सरकार का यह अभियान कैसे धीरे-धीरे जन-जन के अभियान में परिवर्तित होता चला गया। 500 से अधिक धर्मगुरुओं, पर्यावरणविद्, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक दलों के प्रमुख व्यक्तियों, संयुक्त राष्ट्र संगठन के पदाधिकारियों, फिल्म एवं खेल जगत की प्रमुख हस्तियों सहित कई मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति ने इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। यह अभियान पूरी दुनिया में लोगों को नदियों के प्रति जागरूक करने व उनके संरक्षण के लिए प्रेरित करने का जरिया बन गया।

नर्मदा सेवा यात्रा अभियान के दौरान लाखों प्रदेशवासियों ने यह प्रण लिया था कि 2 जुलाई को मां नर्मदा के दोनों तटों सहित पूरे नर्मदा कछार में लाखों लोग मिलकर एक साथ 6 करोड़ पौधों का रोपण करके इतिहास बनाएंगे और मां नर्मदा में जल की धार बढ़ाएंगे। नर्मदा सेवा यात्रा की पूर्णता के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने भी लाखों लोगों की की उपस्थिति में मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक में हम सभी को आने वाली पीढ़ी के प्रति अपनी जिम्मेदारी के लिए आगाह किया था। इस मौके पर उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से नर्मदा कछार में 2 जुलाई 2017 को बढ़-चढ़कर पौधरोपण करने का आह्वान किया था।

मुझे आज इस बात की खुशी है कि जिस 2 जुलाई का हम सभी बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वह आ ही गया है। यह दिन देश और प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में पर्यावरण और नदी संरक्षण के क्षेत्र में एक इतिहास बनने जा रहा है। हम सभी को इस बात पर गर्व होगा कि इस ऐतिहासिक दिन के हम साक्षी बनेंगे। पूरी दुनिया में इससे पहले कभी भी पर्यावरण और नदी को समृद्ध करने के लिए इतने बड़े स्तर पर कोई सामूहिक प्रयास और सामाजिक सहभागिता देखने को नहीं मिली है।

मप्र में इस पौधरोपण कार्यक्रम के लिए नर्मदा तट और नर्मदा कछार के सभी 24 जिलों में पौधरोपण के लिए जागरूकता और कार्यक्रम की सफलता के लिए तैयारियां काफी बड़े पैमाने पर की गई हैं। इस पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सेदारी के लिए लोगों के उत्साह का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2 जुलाई के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इस अभियान की वेबसाइट पर लगभग 6 लाख व्यक्तियों और सामाजिक या स्वयंसेवी संगठनों ने पंजीयन करवाया है। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि इस अभियान से जुड़ने के लिए 5 लाख व्यक्तियों ने ऑफलाइन पंजीयन भी कराया है।

वन विभाग तथा उद्यानिकी विभाग द्वारा पौधे तैयार करा लिए गए हैं। पौधरोपण के लिए लिए गड्ढों की खुदाई हो चुकी है। पौधों को लाने-ले जाने के लिए परिवहन की समुचित व्यवस्था की गई है। पौधों को चुनते समय हमने इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि फलदार और छायादार पौधों का रोपण अधिक किया जाए। हमने इन पौधों में आम, आंवला, नीम, पीपल, बरगद, जामुन, बांस, इमली; संतरा, नींबू, अमरूद, मुनगा और अनार जैसे फलों को प्राथमिकता दी है।

आइए, हम सभी मिलकर नर्मदा कछार में 6 करोड़ पौधों को लगाकर मां नर्मदा में जल की मात्रा बढ़ाएं। मां नर्मदा को स्वच्छ और निर्मल बनाएं, नर्मदा कछार सहित पूरे प्रदेश के पर्यावरण को शुद्ध, हरा-भरा और प्रदूषणरहित बनाएं, किसानों को स्वच्छ पेय और सिंचाई जल उपलब्ध कराएं, अपनी आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुरक्षित बनाएं और पूरी दुनिया को पर्यावरण और नदियों के संरक्षण का संदेश देकर एक इतिहास बनाएं। कल-कल, छल-छल बहे नर्मदा की कामना के साथ आप सभी का इस पुण्य कार्य में अभिनंदन है।

(लेखक मप्र मुख्यमंत्री हैं)